



# हिमालयद जेरणगळीगी ठरणींदेव

बंदु भारिय 'चारोधाम' यात्रेयली नालू धामगळन्नु नैौदेउव अवकाश सिंहवृद्धु बहल अपरोप. त्स नालूर्होंदिगी तुंगानाथा हाग्नु चंद्रशीला नैौदेउव अद्वृष्ट्वा नमुदागित्तु.

■ रविषंकर एस०एल०

**तु०** भा जन हेलुवते, भंदे भारिय यात्रेयली एला नालू चारोधामगळन्नु नैौदेउव तुंगाचा अपरोप. हिमालयदली हवामान व्यपरीतगळु, भूकंपन, धूकूल, विपरीत महि अध्वा अतियाद जनसंदर्भी, इव्वर्गल यावागचेकादरा संभवि, नालू जागळली (यमुनैति, गंगैति, बदरीनाथ हाग्नु कैदारनाथ) वरदन्ते अध्वा मुारन्नव्यै नैौदि बादवरीद्वारे. नमु 'संचारण' तंद खेंगोंद चारोधाम यात्रेयली नालू जागळली दें चेन्ना एंबिंते तुंगानाथा हाग्नु चंद्रशीला चारण मादुव सुयेग उदागिंदित्तु।

नमुद्रु मुट्ठीदिंद अति व्युत्तरदली साहित्यागिरुव प्रपंचद देवालयगळली तुंगानाथा व्योदलनेयद. व्यक्तेदारगळली उदागिरुव त्स देवालय उत्तराखण्ड राज्यद, रुद्रप्रयाग जिल्लेय घुर्टाला वलयदलीद. 12 नाविर अदिग्न हेंड्झेन व्युत्तरदलीरुव त्स देवालयवन्नु पांदवरु साहित्यदर्देय, 8 नै शतमानदली अदित्यकररु त्सिन देवालय निमिसिदरु एंबि छिक्कुविद. छिलोनिंद नवेंबरा तिंगळवर्ग देवालय तेरेद्द्वा, चेलगालदली मुस्तिरुक्तद.

चेलगालदली कदिमे एंदरे बंदरिंद मुलु-नालू अदि व्युत्तरदवर्गेनु हिम सुरियुक्तद. हिमालयद सौंदर्य नैौदेलु, सौंधुवागि यात्रे मादिबरलु अक्षेष्णुरा-नवेंबरा सकाल. नावु अक्षेष्णुरा तिंगळली यात्रे खेंगोंदागें चेल विपरीतवागि, अलाली हुल्लुहाकिन मेले हाग्नु नैलद वेले तेले नै मंजुकालेगळन्नु नैौदेउवमुदागित्तु.

नमु तंद तुंगानाथा बुद्धावाद धोइप्रत्यु एनुव जाग तलुचिदा ग संजी सुमारु 6 गंचे. नमु वाहन धोइप्रत्यु तलुप्रत्युदैं, देले मौरुववरु, कुदुरेयवरु व्यापार कुदुरिसलु सुत्तुवर्दरु. नमु तंददलीद्वा हिरियरीगे व्यापार कुदुरिसियु आयितु. चारण मादुववरु मुद्दुरात्रि बंदु गंची एद्दु, सिद्धवागि चेलग्न जाव मुलु गंची हेलरदुव्यदेंदु त्रिमानवायितु. आदम्पु चेंगने तलुमि, चंद्रशीलादिंद सुयेंदय नैौदेउव उद्देश्यकागि. उलाद हिरियरु, चेलगाद मेले देले-कुदुरेग वेले बरवृद्धु एंदायितु.

बेलिन जाव 3 गंची एला सिद्धतेगळोंदिगे हेलर्गे कालिचूग विपरीत

